

0.6

धर्मयाण महाराजानन्दालिङ्का, कर्त्तव्याणः

लालक श्वारा/कमला/मरवि/पी. पौडिंगी(१९७३)-८८
महानगरपालिका कार्यालय, कलापां
दिनांक : १५-८-८६

कृष्णपा द्वारा देश-विभागीय अधिकारी के तरह उत्तर योग्य बनाया गया।

विवरण द्वारा यह सिंगल एक्सेस के लिए उपयोग करने की विधि है।

वार्षिक विद्यालय करक्षणात्मक बजेट राज्य
प्रदर्शन दिन १३-२-७३ पर

iii) — ଅର୍ଥାତ୍ କିମ୍ବା କିମ୍ବା

वास्तु लिप्तकार वाये वाकेउ तत्त्वादर केतेभा बये।
गहानाथ प्रादेशिक व नवार रथनां अधिनियम १९६६ ये काळम ४५ मायपे

Fig. 41. 3

— ४०८ — श्रीमद्भागवतः

वा. वि. नृष्टायां विकास करायाता पूर्वी प्रतिक महानगरपालिका अधिकारीने इसको फेलाया है।

मालवीया वापेत द्विरक्षा रंगाने दुइदो दाखियावादाने ~~प्रत्यक्ष/स्वीकृत~~ ~~प्रत्यक्ष/स्वीकृत~~ ~~प्रत्यक्ष/स्वीकृत~~
दहरा मत्राता, तिहरा महता, घोषा वनजा रहावीलाठे तुकाने ~~प्रत्यक्षीकृत~~ ~~प्रत्यक्षीकृत~~ ~~प्रत्यक्षीकृत~~
द्विरक्षा दमारहोया वांकाक्ता वाचत, वालकाम दरयाना/प्रारंभ ग्रामाग वज देवचात पेत याहे.
दुओला \rightarrow A1 & A8, A10, A11, A13, B1, B2 \rightarrow नक्षत्रान्तः \rightarrow कर्माण
दुओर \rightarrow A9, A12, B3 \rightarrow नक्षत्रान्तः गरी : श्रोप विनीज \rightarrow विनाडा

ही पाठ्यक्रम परवानगा दिल्ली का एक एवं प्रति वर्ष संस्कृत एवं अंग्रेजी परवानगीये नूटनीकरण मुद्रित चिप्पे याधी करने सुनिश्चयक राहिल, बोर्ड प्रकारे ये नूटनीकरण करते ही नियमित गये करते पैदल, ऐसे पुरुषों योग्यकाम पूर्ण करने पावश्यक नाही, नूटनीकरण करते ही नियमित वर्षान्ती प्रतीकरण दिल्ली भवित्वात आनेवाला नियमित्या ये नियमित्या विकास गराया गया अनुरूपाने छात्रानी करण्यात घेल.

२ नकाशात् **करिष्यते** रंगो केलेद्वा दुर्दद्या आपायमावर बधनकारक राहिला.
 ३ गे निन्हीपिकारी ठाणे, पांजिकठून याघकांग चालू करायाचे मगोदर दिवशेती, परदानयी सेवाची
 गमापदारी तुमच्यावर राहिल न विन थेंडीच्या पूरवात्मणी एक सत्य प्रत काम गम करायाचे वधरा
 (१५) दिवस अवोदर नहावणरपालिकर्म पाठ्यिण आवश्यक राहिल.

वाधुहाम चालू कर्त्तव्यपूर्वी (७) दिवस ग्राधी महापालिका-कार्यपाल सेवा कलायशकाल प्रयत्न ही परम नवी ग्रामद्युत्या मालकाच्छा कडगातील जाणेगी घट्टीरोपत जगीनीवर घाँकाम व
प्रयत्नप्रयत्न देव ग्राधी.

वायुकापि या खोगतप्या गंजूर केलेत्या नहाला प्रमाणे प्राणि पासून दिलेत्या अटीवाणे ४ रुप्ते १०

५. जोरवा पंत गंगाकाम शास्त्रियनंतर वास्तु शिल्पकारावे मंजूर लकडाणा प्रयोग वाचिकाना—
प्रमाणपत्र, महानगरपालिकेस, सादर करण्यात यावे परं तरुण योत्थावरोल योधिकाम करावे.
६. क्लॉटचे हृदीत इमारती घोषणी घोफळपा शोडायांच्या वापेत बदल फड नवे. या स्थापायी लोकस्थाही
पुढाराजे योधिकाम करू नवे.

९ प्रकारच वापकान करता निष्ठा वापकामात की जगह, प्रकारध, लेरकारध पूर्वं परवानगी वेतदमुखियाम कह गये, तथा कल्पनाय जाहीर वापकामात की जगह, वी प्रकारध, लेरकारध पूर्वं परवानगी वेतदमुखियाम कह गये, तथा कल्पनाय जाहीर आत्मवाच उत्तरवी : काम परवानगी रह जावी अतो समाधानात्-प्रेति.

१०. दपार्टमेंट ऑफ़ कला एवं संस्कृति (दिल्ली) - जनवरी १९४८ वार्षिक प्रकाशन
व नगरायण विद्यालय ग्राहित राहिण.



कल
दरमा ₹५००

| | |
|--------------------|------|
| दस्तावेज़ नं. २२०८ | २०२१ |
| २९ | ३४ |